राष्ट्रीय मुक्त विद्यालयी शिक्षा संस्थान

उच्चतर माध्यमिक पाठ्यक्रम : ग्रंथालय एवं सूचना विज्ञान

पाठ 15 बी : सूचना पुनः प्राप्ति प्रणाली

अवधारणा और अवसर

कार्यपत्रक - 15

1. सूचना पुनप्राप्ति पद किसने गढा था, इसका क्या अर्थ है? उपयोगकर्ताओं को सूचना पुनर्माप्ति में ग्रंथालयाध्यक्ष किस प्रकार सहायक हो सकते हैं?
2. सूचना पुनर्णाप्ति प्रणाली के क्या प्रमुख उद्देष्य हैं?
3. किसी सूचना पुनर्णाप्ति प्रणाली पर काम शुरू करने से पहले हमें किन कार्यों को ध्यान में रखना चाहिए।
4. किसी प्रलेख में निहित सूचना की पुनर्णाप्ति के लिए कुंजी के रूप में कार्य करने वाले उपकरण कौन-से हैं?
5. वर्णानुक्रम विषय पद्धति (एलफाबेटिकल सब्जेक्ट एप्रोच) से सूचना पुनाप्ति में हमें किन समस्याओं का सामना करना पड़ता है?
6. जब हम विषय पद्धति (सब्जेक्ट एप्रोच) से सूचना पुनाप्ति करते हैं तो हम क्या तरीका अपनाते हैं?
7. किसी ग्रंथालय में सूचना पुनर्णाप्ति के लिए "उपयोगकर्ता की सूचना आवष्यकता" कितनी महत्वपूर्ण है?
8. नियंत्रित अनुक्रमणीकरण भाषा में किसी विषेष प्रलेख को 'पद' देने की क्या प्रक्रिया है?
9. विषयानुसार विस्तृत व्यवस्था पर विचार करने वाले प्रथम ग्रंथालयाध्यक्ष मेलविल डेवी थे। डेवी से पहले ग्रंथालयाध्यक्ष निष्चित रूप से अपने ग्रंथालयों को वर्गीकृत तरीके से व्यवस्थित करते थे। वर्गीकृत प्रसूची सुप्रसिद्ध थी। हालाँकि, उनकी वर्गीकृत व्यवस्था व्यापक विषय समूहों में थी। विषय की व्यापक विषिष्टताएँ बताने का कोई प्रयास नहीं होता था, जैसा कि डेवी ने बताया और जो आवष्यक और उपयोगी था। उक्त अनुच्छेद के लिए एक प्रष्न तैयार कीजिए ।
10. एक रेखाचित्र की सहायता से प्राकृतिक भाषा के महत्व को स्पष्ट कीजिए।